ग्वालियर | शनिवार | 11 अप्रैल 2026 | वर्ष 31 | अंक 235 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

1934 से

5 लोकतंत्र को कमजोर कर रही सरकार : खड़गे

6 सीबीएसई शिक्षकों को जनगणना ड्यूटी क्यों?

7 आज झूम उठा शेयर बाजार

10 सिनर ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

एक नजर में

मस्क और डुरोव का वॉट्सएप पर हमला

वॉशिंगटन. हाल ही में इलॉन मस्क औरपावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेसी पर सवाल उठाए हैं. मस्क ने इसे भरोसेमंद नहीं बताया और अपने प्लेटफॉर्म एक्स के चैट फीचर को बेहतर विकल्प बताया. वहीं डुरोव ने व्हाट्सएप के एन्क्रिप्शन दावों को 'भ्रामक' कहा. यह विवाद अमेरिका में व्हाट्सएप की पैरेंट कंपनीप्लेटफार्म मेटा प के खिलाफ दायर एक क्लास-एक्शन मुकदमे के बाद तेज हुआ, जिसमें आरोप है कि मैसेज इंटरसेप्ट कर थर्ड पार्टी के साथ साझा किए जा सकते हैं.

बैंक धोखाधड़ी मामले में जमानत याचिका खारिज

मुंबई. मुंबई की एक अदालत ने 'न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक' के 122 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में बैंक के पूर्व महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. सत्र न्यायाधीश विक्रम आर जगदाले ने अपने आदेश में कहा, 'लंबे समय तक कारावास में रहना जमानत देने का आधार नहीं हो सकता, क्योंकि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि आर्थिक अपराधों के मामलों में सुनवाई शुरू होने और समाप्त होने में समय लगता है, खासकर तब जब कई आरोपी और गवाह शामिल हों.' अदालत ने यह भी कहा कि आवेदक इस अपराध का मुख्य आरोपी है.

यमुना में नाव डूबने से 10 की मौत

15 यात्रियों की जगह पर 30 को बैठाया

03 से 5 लोगों अभी भी लापता

मथुरा, 10 अप्रैल. वृंदावन में यमुना नदी पर बड़ा हादसा सामने आया है, जहां करीब 30 पर्यटकों से भरा एक प्राइवेट स्टीमर पलट गया. इस दुर्घटना में 10 लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हैं और कुछ लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं. सभी पर्यटक पंजाब से घूमने आए थे.

यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट के पास हुआ, जो बांके बिहारी मंदिर से लगभग ढाई किलोमीटर दूर है. अधिकारियों के अनुसार, स्टीमर की क्षमता लगभग 15 यात्रियों की थी, लेकिन उसमें 25 से अधिक लोगों

को बैठा लिया गया था, जिससे हादसे की गंभीरता बढ़ गई.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय तेज हवा चल रही थी. नदी के बीच स्टीमर अचानक असंतुलित हो गया और तेज रफ्तार में पीपा पुल से टकराकर पलट गया. हादसे के बाद स्टीमर यमुना में डूब गया, जबकि चालक मौके से फरार हो गया. घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ह्ष्ठक्रस्न) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (स्ष्ठक्रस्न) की टीमें मौके पर पहुंचीं. सेना और स्थानीय गोताखोर भी सर्च ऑपरेशन में जुटे हैं. कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि लापता लोगों की तलाश जारी है.

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने इस हादसे के लिए प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है. खासतौर पर स्टीमर में ओवरलोडिंग और लाइफ जैकेट जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं. डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया, पर्यटक 2 स्टीमर में सवार थे. एक पलट गया, जिस पर 25 से 27 लोग सवार थे.

छत्तीसगढ़ में हादसा : दो कारों की टक्कर में 6 लोगों की मौत

कांकेर में गुरुवार को देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा नेशनल हाईवे 30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र के नाथिया नवागांव के पास हुआ, जहां दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई. जानकारी के अनुसार, उड़कुडा निवासी कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम का परिवार शादी समारोह से लौट रहा था. इसी दौरान उनकी कार सामने से आ रही दूसरी तेज रफ्तार कार से टकरा गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों में नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम, बहन मकतुला नेताम, 7 साल का भांजा वंश नेताम और दो अन्य रिश्तेदार शामिल हैं. हादसे में दोनों वाहनों के 3 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है. घायलों का इलाज जारी है.

जाम खुलवाने गए आरक्षक को डंपर ने मारी टक्कर, हुई मौत

भिंड, 10 अप्रैल. फूप थाने में पदस्थ आरक्षक अश्विनी राणा को निबुआ चौकी के पास एक डंपर ने टक्कर मार दी, वे गंभीर रूप से घायल हो गए. अश्विनी ने ग्वालियर के बिरला अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली. घटना की जानकारी लगते ही भिंड पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है.

चंबल पुल के नजदीक बरही गांव में लगा था लंबा जाम

अश्विनी राणा की पहली पोस्टिंग भिंड में हुई थी

बीती रात चंबल पुल के नजदीक बरही गांव के पास लंबा जाम लग गया था. जाम खुलवाने के लिए फूप थाना पुलिस बल को मौके पर भेजा गया. ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त जवानों की जरूरत पड़ने पर अश्विनी राणा को भी कॉल कर बुलाया गया. वे अपनी बाइक से मौके पर पहुंचे और बरही के पास गुरुजी ढाबा पर बाइक खड़ी कर ड्यूटी में जुट गए. तभी निबुआ चौकी के पास एक अज्ञात डंपर ने तेज रफ्तार और लापरवाही से उन्हें टक्कर मार दी. हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए. साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल भिंड अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया जहां उनकी मौत हो गई.

जस्टिस वर्मा ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, 10 अप्रैल. इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने नौ अप्रैल को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा और इसकी एक प्रति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को भी प्रेषित की है.

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने इस पत्र में लिखा, 'मैं आपके गरिमामयी कार्यालय पर उन कारणों का बोझ नहीं डालना चाहता, जिन्होंने मुझे यह कदम उठाने पर विवश किया और मुझे यह पत्र प्रस्तुत करना पड़ रहा है. फिर भी अत्यंत पीड़ा के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव

से अपना त्यागपत्र दे रहा हूं. इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है.'

गौरतलब है कि वह पहले दिल्ली उच्च न्यायालय में कार्यरत थे और दिल्ली वाले घर में मार्च 2025 में भारी मात्रा में जले नोट मिलने के मामले में जांच के घेरे में आ गये थे. न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से पिछले वर्ष इलाहाबाद भेजा गया था और उन्होंने वहां पांच अप्रैल को पद और गोपनीयता की शपथ ली थी. उनके खिलाफ आंतरिक जांच चल रही थी.

बंगाल में भाजपा की सरकार बनना तय : शाह

- **पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को देंगे रोजगार**
- **हर महिला को देंगे 3000 मासिक आर्थिक सहायता**

कोलकाता, 10 अप्रैल. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'संकल्प पत्र' जारी किया, जिसमें महिलाओं, युवाओं और विकास को केंद्र में रखते हुए कई बड़े वादे किए गए हैं. इस घोषणापत्र में पार्टी ने राज्य में विश्वास का युग लाने का लक्ष्य रखा है।

अमित शाह ने स्पष्ट किया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो राज्य का मुख्यमंत्री बंगाल से ही

होगा और एक मजबूत स्थानीय नेतृत्व दिया जाएगा। घोषणापत्र में महिलाओं को 3,000 मासिक सहायता, युवाओं के लिए रोजगार और बेरोजगारी भत्ता, तथा किसानों और उद्योगों के लिए विशेष योजनाओं का ऐलान किया गया है। यह संकल्प पत्र ऐसे समय में सामने आया है जब बंगाल में चुनावी माहौल गरम है और सभी दल अपने-अपने वादों के जरिए मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं।

घोषणापत्र में महिलाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। पार्टी ने हर महिला को 3,000 मासिक आर्थिक सहायता देने, सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण और 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वॉड' के गठन का वादा किया है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं को 21,000 की सहायता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की बात कही गई है। युवाओं के लिए भाजपा ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 की आर्थिक सहायता और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15,000 की छात्रवृत्ति देने का भी ऐलान किया गया है।

अगर ईरान ने चाल चलने की कोशिश की तो...

इस्लामाबाद, 10 अप्रैल. अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान की यात्रा पर रवाना हो गए हैं, जहां इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति वार्ता होने वाली है. इस बैठक को 'इस्लामाबाद टॉक्स' कहा जा रहा है और यह शनिवार को आयोजित होनी है.

पाकिस्तान को इस वार्ता के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि वह ईरान का पड़ोसी देश है और अमेरिका के साथ भी उसके कूटनीतिक संबंध अपेक्षाकृत अच्छे माने जाते हैं. पाकिस्तान रवाना होने से पहले वेंस ने पत्रकारों से कहा, 'हम बातचीत का इंतजार कर रहे हैं. मुझे लगता है कि यह पॉजिटिव होगी. जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरानी अच्छे भरोसे के साथ बातचीत करने को तैयार हैं, तो हम दोस्ती का हाथ बढ़ाने को तैयार हैं.

और अगर वे हमारे साथ खिलवाड़ की कोशिश करेंगे, तो हम उसे स्वीकार करने के लिए बिलकुल तैयार नहीं हैं.' इस वार्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. क्योंकि इसके परिणाम मध्य पूर्व की स्थिति पर बड़ा असर डाल सकते हैं.

वनतारा ने वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी साइंस के लिए दुनिया की पहली ग्लोबल यूनिवर्सिटी लॉन्च की

आधुनिक गुरुकुल और उद्देश्य-आधारित विश्वविद्यालय के रूप में कल्पित इस यूनिवर्सिटी का मकसद भारत को वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी एजूकेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है.

जामनगर (गुजरात), भारत: रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन, वनतारा ने जामनगर, गुजरात में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है. यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी.

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है. इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है. इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा. अनंत अंबानी ने कहा, संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं. वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं,के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है. इस विचार को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाने के लिए आधारशिला स्थल के डिजाइन में दो बिजोलिया बलुआ पत्थरों को शामिल किया गया. ये पत्थर प्राचीन विंध्यन भू-विन्यास से लिए गए हैं, जो वर्तमान बिहार में स्थित प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भौगोलिक संरचना से जुड़े माने जाते हैं. ये भारत की ज्ञान और शिक्षा की सतत परंपरा का प्रतीक हैं.

हिंदू परंपराओं के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए. समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पत्थरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संपन्न किया गया.

ये तत्व पूरे भारत के जैव-विविधता से समृद्ध विभिन्न भू-भागों से एकत्रित किए गए थे, जिनमें घास के मैदान, वन, आर्द्रभूमि, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र, तथा हिमालयी और देश के उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी और मध्य भागों में स्थित अन्य ऊँचाई वाले स्थान शामिल हैं. ये तत्व भारत की प्राकृतिक विविधता और विरासत को दर्शाते हैं. वनतारा यूनिवर्सिटी एक ही शैक्षणिक ढांचे के भीतर विभिन्न विषयों को जोड़ेगी, जिसकी नींव वास्तविक संरक्षण कार्यों के अनुभव पर आधारित होगी. वनतारा के जमीनी अनुभवों को अकादमिक कार्यक्रमों, पेशेवर प्रशिक्षण और वैश्विक स्तर पर उपयोगी शिक्षा ढांचे में बदला जाएगा. करुणा, विज्ञान और संरक्षण के समन्वय के माध्यम से यह संस्थान ऐसे पेशेवर तैयार करेगा जो वन्यजीव और पारिस्थितिकी से जुड़ी जटिल चुनौतियों का समाधान कर सकें.

यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज़्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी, इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंज़र्वेशन पॉलिसी और नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिज़ाइन शामिल हैं. वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी. वनतारा यूनिवर्सिटी को एडवांस्ड एकेडमिक और क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और एक रेजिडेंशियल कैंपस से सपोर्ट मिलेगा. यह पशु कल्याण और उन्नत संरक्षण पद्धतियों को मजबूत करने के लिए कार्य-आधारित शोध पर ध्यान केंद्रित करेगी. शिक्षा मॉडल में प्राकृतिक आवासों (इन-सिटू) और संरक्षित वातावरण (एक्स-सिटू) संरक्षण को जोड़ा जाएगा, ताकि वैज्ञानिक देखभाल और दीर्घकालिक वन्यजीव प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके. यह मानते हुए कि संरक्षण का भविष्य केवल जंगलों में ही नहीं, बल्कि कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और मानव चेतना में भी तय होगा, विश्वविद्यालय वन्यजीव पशु चिकित्सा और संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है. साथ ही यह वन्यजीव स्वास्थ्य, पशु देखभाल वातावरण और संरक्षण से जुड़े ज्ञान संसाधनों के विकास का दीर्घकालिक मंच बनेगा.

शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई. इस दौरान 'वनतारा यूनिवर्सिटी फाउंडिंग फेलोज' और 'एवरी लाइफ मैटर्स' छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की घोषणा की गई, साथ ही ज्ञान का उपयोग केवल प्रगति के लिए नहीं बल्कि संरक्षण के लिए करने का आह्वान किया गया.

अपने दृष्टिकोण के अनुसार वनतारा यूनिवर्सिटी केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि इस विचार का प्रतिनिधित्व करती है कि वन्य जीवन को केवल सराहना ही नहीं, बल्कि ज्ञान, मजबूत प्रणालियों और प्रशिक्षित हाथों की भी आवश्यकता होती है.